प्रेस वक्तव्य

नई दिल्ली, 08 अगस्त, 2014

बंगलादेश से निर्वासित क्रांतिकारी महिला लेखिका तसलीमा नसरीन को केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने उनकी नागरिकता एवं भारत निवास के संदर्भ में जो आश्वासन दिया है वह स्वागत योग्य है। मैंने पत्र लिखकर उन्हें बधाई दी है और आगे भी उम्मीद जताई है कि उनकी सरकार ऐसी बेबाक आवाजों को प्रबल करने की दिशा में कदम उठाएगी। तसलीमा जी नारीवाद से संबंधित विषयों पर अपनी बेबाक लेखनी के लिए चर्चित और विवादित रही हैं। उनके संघर्षमय जीवन में उन्होंने अपनी स्पष्ट राय के कारण बहुत कुछ खोया है। मैं उनकी इस निर्भीक लेखनी को सलाम करता हूँ।

लेकिन साथ ही मुझे अत्यंत खेद होता है कि जिन आवाजों को भारत में हम संप्रदायनिरपेक्ष एवं सेक्यूलर समझते हैं, आज तस्लीमा मुद्दे पर वे सब मौन हैं। मैं हमेशा से मानता हूँ कि हर धार्मिक सम्प्रदाय की कट्टरता का एक समान विरोध होना चाहिए नहीं तो वह विरोध महज एक धोखेबाजी है। मैं इसे सेक्यूलरिज़्म कम एवं तुष्टीकरण अधिक मानता हूँ। मेरा इन सभी धर्म निरपेक्षता का चोगा ओढ़ने वाले दलों एवं विशिष्ट जनों से अनुरोध हैं कि वे मेरी इस धारणा को गलत साबित कर तसलीमा जी के पक्ष में अपनी आवाज बुलंद करें।

स्वामी अग्निवेश